**सं.16015/1/2022-पीएमआई**

**भारत सरकार**

**रसायन और उर्वरक मंत्रालय**

**उर्वरक विभाग**

*****

शास्त्री भवन, नई दिल्ली

दिनांक: 13 फरवरी, 2025

## कार्यालय ज्ञापन

**विषय: मंत्रिमंडल के लिए जनवरी, 2025 माह के मासिक सार के संबंध में।**

अधोहस्ताक्षरी को उर्वरक विभाग का जनवरी, 2025 माह का मासिक सार एतदद्वारा सूचनार्थ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

2. इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

**(अनिल फुलवारी)**

निदेशक (पीएमआई)

दूरभाष: 011-23389839

सेवा में,

1. मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि:

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव।
2. निदेशक, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004
3. सचिव (उर्वरक) के वरिष्ठ प्रधान निजी सचिव।
4. अनुभाग अधिकारी (आईटी) को उर्वरक विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए।

**विषय: उर्वरक विभाग का जनवरी, 2025 माह का मासिक सार।**

**1. माह के दौरान समग्र उत्पादन निष्पादन:**

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

| उत्पाद का नाम | माह के दौरान उत्पादन | इस माह तक संचयी उत्पादन |
|---|---|---|
| यूरिया | 26.43 | 258.43 |
| डीएपी | 2.75 | 34.25 |
| अमोनियम सल्फेट (ए/एस) | 0.88 | 6.47 |
| मिश्रित उर्वरक | 11.24 | 93.18 |
| सिंगल सुपर फॉस्फेट | 3.59 | 44.16 |

स्रोत: dbtfert.nic.in दिनांक 06.02.2025 की स्थिति के अनुसार

**2. माह के दौरान उर्वरकों की आकलित आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्री:**

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

| उत्पाद का नाम | आकलित आवश्यकता | उपलब्धता | बिक्री |
|---|---|---|---|
| यूरिया | 31.63 | 88.35 | 45.59 |
| डीएपी | 4.20 | 13.54 | 4.07 |
| एमओपी | 1.66 | 11.14 | 1.97 |
| एनपीके | 10.32 | 36.00 | 12.07 |

आंकड़े डैशबोर्ड से लिए गए है।

**3. माह के दौरान आयातित तैयार उर्वरकों का ब्यौरा:**

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

| उत्पाद का नाम | आयातित मात्रा |
|---|---|
| यूरिया | 5.54 |
| कृषि उपयोग हेतु एमओपी | 2.19 |
| डीएपी | 2.27 |
| एनपीके | 2.31 |

**4. जनवरी, 2025 के दौरान तालचेर उर्वरक परियोजना की वृद्धिशील प्रगति:**

**(क). <u>तालचेर इकाई का पुनरुद्धार:</u>**

i. 31 जनवरी, 2025 की स्थिति के अनुसार परियोजना की समग्र प्रगति 65.02% है तथा ओएसबीएल पैकेज (कोयला गैसीकरण तथा अमोनिया यूरिया के अलावा) की प्रगति 77.62% है।

ii. दिनांक 09.01.2025 को आयोजित मासिक समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णयानुसार, डब्ल्यूईसीएल ने परियोजना पूर्ति योजना और समग्र पूर्ति योजना के परिशिष्ट के रूप में एक त्रैमासिक पूर्वानुमान भी प्रस्तुत किया है। उन्होंने लंबित भुगतान की अदायगी हेतु 10-12 विक्रेताओं की अंतिम सूची भी तैयार की है और लंबित अभियान्त्रिकी मामलों के समाधान हेतु टीएफएल और पीडीआईएल के साथ नियमित बैठकें आयोजित करने के लिए अपनी अभियान्त्रिकी प्रबंधक के नेतृत्व में एक अभियान्त्रिकी टीम तालचेर साइट पर भेजी है।

iii. टीएफएल दोनों पैकेज के लिए डब्ल्यूईसीएल द्वारा प्रस्तुत पूर्ति योजना की बारीकी से निगरानी कर रही है। टीएफएल हर स्तर पर मामलों, यदि कोई हैं, को तत्काल निपटाने हेतु डब्ल्यूईसीएल प्रबंधन के साथ निरन्तर बातचीत भी कर रही है। परियोजना समीक्षा हेतु संस्थापक कंपनियों के शीर्ष प्रबंधन की नियमित समन्वय बैठकें भी आयोजित की जाती हैं।

**5. व्यय की स्थिति:**

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कुल उपलब्ध बजट अनुमान 168130.81 करोड़ रुपये में से जनवरी 2025 के दौरान उर्वरक सब्सिडी के प्रशासन पर व्यय 23998.86 करोड़ रुपये (यूरिया: 16965.59 करोड़ रुपये, पीएंडके: 7024.08 करोड़ रुपये, स्थापना: 3.60 करोड़ रुपये, गोबरधन के लिए एमडीए: 2.29 करोड़ रुपये, डीबीटी: 2.76 करोड़ रूपए, और पूंजीगत व्यय: 0.54 करोड़ रुपये) हुआ। अप्रैल 2024 से जनवरी, 2025 के दौरान प्रगतिशील व्यय 163305.74 करोड़ रुपये (यूरिया: 115224.33 करोड़ रुपये, पीएंडके: 48014.75 करोड़ रुपये, स्थापना: 35.95 करोड़ रुपये, डीबीटी: 8.80 करोड़ रुपये, पूंजीगत व्यय: 1.33 करोड़ रुपये और गोबरधन के लिए एमडीए: 16.02 करोड़ रुपये और आरएण्डडी: 4.56 करोड़ रुपये) अर्थात कुल आबंटन का लगभग <u>93.46%</u> था।

*****